

खबर संक्षेप

बीबीजी राम जी योजना अंतर्गत प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला सम्मेलन जनपद विधायक के मुख्य आतिथ्य में संपन्न



शहडोल। बीबीजी राम जी योजना अंतर्गत प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला सम्मेलन का आयोजन जनपद पंचायत गोहपारू के आईटीआई सभागार में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विधायक श्रीमती मनीषा सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में राजीव शर्मा मंडल अध्यक्ष गोहपारू, राजीव तिवारी मंडल अध्यक्ष चुहिरा जनपद सदस्य दुर्गा प्रसाद तिवारी ,श्रीमती कलावती सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों विशिष्ट अतिथि के रूप मे मंच सीन रहे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों के सरपंच, उपसरपंच एवं पंचगण सहित सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान जिला परियोजना अधिकारी संतोष कुमार बाल्मीकि, सीनीयर डाटा मैनेजर अरुणेंद्र द्विवेदी एवं सहायक यंत्री जनपद पंचायत गोहपारू प्रशांत कुमार लगरखा योजना के उद्देश्यों, क्रियान्वयन की प्रक्रिया एवं ग्राम स्तर पर प्रभावी कार्यवाही के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्रीमती मनीषा सिंह जी ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं मैदानी अमले से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजना को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मनोज कुमार मिश्रा अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया तथा उक्त कार्यक्रम में जनपद पंचायत गोहपारू के अधिकारी-कर्मचारी, ग्राम पंचायतों के सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू सुधीर कुमार दिनकर द्वारा सभी प्रतिभागियों को योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

शहडोल नगर पालिका अध्यक्ष-पार्षद पहुंचे कलेक्टर के दरबार

शहडोल। जब सरकारी तंत्र का नट-बोल्ट ढीला हो जाए और जिम्मेदार अफसर फाइलों पर कुंआकर्णों नींद सो जाएं, तो फिर विकास की गाड़ी का पटरी से उतरना लाजमी है। शहडोल शहर को संवारने, सड़कों के गड्ढे भरने, नालियां दुरुस्त करने और पेवर ब्लॉक बिछाने के लगेम प्रस्तावित धाम आजकल कार्यपालन यंत्री नगरिय प्रशासन एवं विकास के दफ्तर में धूल फांक रहे हैं। आलम यह है कि महीनों बीत जाने के बाद भी इन जन्महत के कामों को तकनीकी स्वीकृति का हरी झंडी जवाबी नहीं हो सकी है।नगर पालिका परिषद शहडोल के विभिन्न वार्डों में बदहाल सड़कों और नालियों से आम जनता त्रस्त है। वार्डों के कार्याकर्ष के लिए नगर पालिका की ओर से बाकायदा प्रस्ताव तैयार कर तकनीकी स्वीकृति हेतु कार्यपालन यंत्री नगरिय प्रशासन एवं विकास शहडोल संभाग को भेजे गए थे, लेकिन

साहब! आप ही हमारे भगवान, नीचे खड़े भाइयों से भी मिल लीजिए...

कलेक्टरेट में हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाए किसान, बीकेएस ने सौपा ज्ञापन

शहडोल। साहब! आप ही जिले के मालिक हैं, आप ही हमारे भगवान हैं... दूर-दराज के गांवों से हमारे गरीब किसान भाई उम्मीद का कटोरा लेकर आए हैं, जरा नीचे आकर उनसे भी दो मीठे बोल बोल लीजिए! भारतीय किसान संघ के बैनर तले अपनी जायज मांगों को लेकर कलेक्टरेट पहुंचे किसानों का यह भावुक और अनूठा अंदाज देखकर मंगलवार को प्रशासनिक महकमे में हर कोई हैरान रह गया। धान खरीदी की बंदिशों से लेकर जंगली जानवरों के आतंक से तबाह हो रही फसलों तक, दर्जनभर ज्वलंत समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ ने अब शासन-प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का शंखनाद कर दिया है। अपनी समस्याओं की लंबी फेहरिस्त लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने पहुंचे किसान प्रतिनिधिमंडल ने जब कलेक्टर के दफ्तर में कदम रखा, तो माहौल पूरी तरह संवेदनशील हो गया।

कागजी आशवासन नहीं, जमीनी समाधान चाहिए

प्रतिनिधिमंडल में शामिल किसान नेताओं ने बेहद



विनम्रता से कलेक्टर के सामने हाथ जोड़ते हुए गुहार लगाई कि कलेक्टरेट परिसर के नीचे सैंकड़ों किसान उम्मीद लगाए खड़े हैं। दूर-दराज के अंचलों से चलकर आए ये किसान सिर्फ इतना चाहते हैं कि जिले का मुखिया स्वयं उनके बीच पहुंचे और उनकी तकलीफों को करीब से महसूस करें। किसान नेताओं का साफ कहना था कि अधिकारियों की फाइलों और बैठकों में किसानों का दर्द हल नहीं होता, जब तक जिम्मेदार अफसर मौके पर उतरकर धरातल की कड़वी सच्चाई नहीं देखेंगे, तब तक अन्नदाता यूं ही खून के आंसू रोता रहेगा।

इन ज्वलंत मांगों पर अड़े अन्नदाता

किसान संघ ने ज्ञापन के जरिए अपनी प्रमुख मांगों को प्रमुखता से रेखांकित किया है, जिनमें शामिल



साहब की कलम शायद इतनी भारी हो चुकी है कि फाइलों पर दस्तखत करने का समय ही नहीं मिल रहा, तकनीकी स्वीकृति लंबित रहने के कारण शहर का पूरा विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है और जनता रोज हिचकोले खाने को मजबूर है।अफसरों की इस बेरुखी और अडिग सुस्ती से आजिज आकर आखिरकार नगर

पालिका की जनप्रतिनिधि बिगड़े को सडक पर उतरना ही पड़ा। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और समस्त पार्षदों ने मिलकर जनसुगवाई के दौरान कलेक्टर शहडोल की चौखट पर दस्तक दी। 25 अगस्त को सौपे गए आक्रामक शिकायती पत्र में जनप्रतिनिधियों ने साफ आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारी की लापरवाही के चलते पूरे नगर का विकास अट्टर में लटका हुआ है।जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर से पुरजोर मांग की है कि कार्यपालन यंत्री को तत्काल निर्देशित कर लंबित टी।एस. (तकनीकी स्वीकृति) पर मोहर लगवाई जाए, ताकि समय पर विकास कार्य शुरू हो सके और जनता को सहूलियत मिले। अब सवाल यह उठता है कि क्या कलेक्टर के कड़े रुख के बाद कार्यपालन यंत्री की नींद टूटेगी, या फिर शहडोल की जनता यूं ही फाइल ढबाने वाले अफसरों की नाफरमानी का खमियाजा भुगतती रहेगी।

हैं। उपार्जन केंद्रों पर किसानों की शत-प्रतिशत धान फसल की पारदर्शी खरीदी सुनिश्चित की जाए। भावांतर योजना का पारदर्शी लाभ और कृषि मिनी किट के आवंटन में हो रही धांधली पर रोक। प्राकृतिक आपदाओं और जंगली जानवरों के हमलों से तबाह हुई फसलों का लंबित मुआवजा तत्काल बांटा जाए। खेतों में जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक से किसानों की जान-माल और फसलों की पक्की सुरक्षा हो।

उम्मीद की चौखट पर खड़े हैं खेत के रखवाले

कलेक्टरेट की सीढ़ियों पर हाथ जोड़कर की गई यह गुहार प्रशासनिक व्यवस्था के मुंह पर एक करारा तमाचा भी है और उम्मीद का दीया भी। अन्नदाता ने यह जता दिया है कि वह अपने अधिकारों के लिए गुहार लगाना भी जानता है और वक्त आने पर मोर्चा खोलना भी। अब देखना यह होगा कि कलेक्टरेट की चौखट से उठी यह भावुक आवाज भोपाल के गलियारों तक क्या रंग लाती है और प्रशासन किसानों की इन वाजिब मांगों पर कितना संवेदनशील रुख अपनाता है।

शहडोल। सरकार भले ही गरीबों के चूल्हे जलाने के लिए मुफ्त और किफायती राशन बांटने के हिंदोरे पीट ले, लेकिन राशन माफियाओं के आगे सारे सरकारी फरमान बौने साबित हो रहे हैं। मामला सोहागपुर तहसील के ग्राम पिपरिया का है, जहाँ संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान अब गरीब ग्रामीणों के लिए राहत कम और आफत ज्यादा बन गई है। कागजों में तो दुकान का आवंटन संचालिका प्रतिभा तिवारी के नाम दर्ज है, लेकिन बीते एक साल से यहां पतिदेव राहुल मिश्रा की हुकूमानी चल रही है।



जब तय समय पर दुकान नहीं खुलती, तो महीने के बचे राशन को लेप्स बताकर खुलेबाजार में निजी व्यापारियों के हाथों कालाबाजारी कर खपा दिया जाता है।

पार्ट-टाइम कनिष्ठ कोटेदार और रिलायंस की नौकरी

राहुल मिश्रा जनाब रिलायंस कंपनी में नौकरी फरमाते हैं और जब इतवार को छुट्टी मिलती है, तो अचानक बिना किसी पूर्व सूचना के राशन दुकान खोलकर मसीहा बन जाते हैं। महीने में एकाध शनिवार या रविवार को मनमर्जी से दुकान खुलती है। बाकी दिन गरीब ग्रामीण भटकते रह जाते हैं।

पिपरिया राशन दुकान में पतिदेव का कब्जा

रविवार को खुलती है साहब की दुकान किलो गायब मिलता है। नए बच्चों का नाम जोड़ने और ई-केवाईसी करने के नाम पर महीनों चक्कर कटवाए जा रहे हैं। हक मांगने पर विशेष वर्ग के लोगों को अपमानजनक भाषा और जातिगत कटुक्तियों का शिकार होना पड़ता है, जिसके वीडियो सबूत ग्रामीणों ने अपने पास सुरक्षित रखे हैं।

ग़ष्ट कोटेदार को सस्पेंड करो!

दुकानदार की इस तानाशाही और गुंडागर्दी से त्रस्त होकर ग्राम पिपरिया के दर्जनों ग्रामीणों और काईधारकों ने हस्ताक्षर युक्त शिकायत कलेक्टर शहडोल को सौंपी है। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस फर्जीवाड़े और अनियमतता की तत्काल निष्पक्ष जांच कराई जाए, वर्तमान कोटेदार और संचालिका को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया जाए और दुकान का संचालन किसी अन्य पात्र व्यक्ति या महिला स्व-सहायता समूह को सौंपा जाए। अब देखना यह है कि खाद्य विभाग इस पार्ट-टाइम कोटेदार पर कार्रवाई की गाज गिराता है या फिर गरीबों का राशन यूं ही कालाबाजारी की भेंट चढ़ता रहेगा।



खबर संक्षेप



**नगर परिषद बनगवां
(राजनगर) में 27
अगस्त को होगा
सामाजिक समरसता
सावन उत्सव**

राजनगर) नगर परिषद बनगवां (राजनगर) द्वारा महिलाओं के पवित्र सावन माह को ध्यान में रखते हुए सामाजिक समरन्धन के उद्देश्य से "सावन उत्सव 2026" को भव्य आयोजन 27 अगस्त को किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर नगर परिषद बनगवां की महिलाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के अध्यक्ष यशवंत सिंह, उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, समस्त वार्ड पाषण्डी, एलडरमैन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यक्रम मधुवन तव्हा, राजनगर में दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। यह विशेष रूप से नगर परिषद क्षेत्र की महिलाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम है। इसमें नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के वार्ड क्रमांक 1 से वार्ड क्रमांक 15 तक की महिलाएं शामिल होंगी। कार्यक्रम के दौरान सावन सुंदरी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रतिभागियों का परिचय कराया जाएगा तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। सावन उत्सव में प्रतिभागियों द्वारा सावन गीत एवं भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अलावा एकल एवं संयुक्त नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेंगी। साथ ही महिलाओं के लिए सावन उत्सव से संबंधित अनेक मनोरंजक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। सामाजिक समरन्धता सावन उत्सव 2026 के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने सभी सखी-सहेलियों एवं महिलाओं से इस रंग के परिधान में कार्यक्रम में पहुंचकर सावन उत्सव की शोभा बढ़ाने की अपील की है। हालांकि विशेष परिस्थितियों में अन्य रंग के परिधान को भी स्वीकार किया जाएगा। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) ने क्षेत्र की सभी महिलाओं एवं युवतियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सावन उत्सव 2026 को सफल बनाने की अपील की है।

शिव सागर धाम से आज निकलेगी मत्स्य कांवड़ यात्रा

कोत्मा। पुराने के पवित्र माह में नगर की सावनी बस्ती स्थित शिव सागर धाम से मत्स्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा सुबह 11 बजे शिव सागर धाम शिव मंदिर से प्रारंभ होगी। कांवड़ यात्रा जकारा चौक, पूराना स्टेट बैंक चौक, पांचायती मंदिर, महावीर मार्ग, शारदा मंदिर, मुखर्जी चौक और बाद बस्ती होते हुए पुरानी बस्ती का भ्रमण करेगी। इसके बाद शिव सागर धाम पहुंचकर अगवान शिव का जलामिषक किया जाएगा। अभिषेक के साथ कांवड़ यात्रा का समापन होगा। यात्रा में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु पीले वस्त्र धारण कर शामिल होंगे। आयोजन समिति ने नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कांवड़ यात्रा को सफल बनाने की अपील की है। कांवड़ यात्रा के समापन के बाद शिव सागर धाम परिसर में विशाल मंडार का आयोजन भी किया जाएगा।

गोविंदा कालरी में
नवविवाहिता ने फांसी
लगाकर दी जान, जांच
में जूटी पुलिस

तस्मात् नगर पुलिस क्षेत्र के वाई क्रमांक 12 स्थित गणिकंद कॉलरी में मंगलवार रात 24 वर्षीय नवविधवा द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में सख्तनाई फैल गई। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचा कोम (24) का विवाह जितेंद्र के सस अग्रैल 2025 में हुआ था। उसका मायाका अमरिया जिले में बताया गया है। मंगलवार रात परिजनों ने उसे फांसी के फंदे पर झूलते हुन देखा। इसके बाद परिजन आनंद फाखन में फांद खोलकर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलता लेकर पहुँचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर अनुविभागीय पुलिस अधिकारी अजीत शायन, नाथय तहसीलदार सहित पुलिस टीम मौके पर पहुँची। तहसीलदार की मौजूदगी में शव पंजामा की कार्रवाई की गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। घटने से कुछ घंटे पहले मुत्तिका की अपन मेई से भी बातचीत हुई थी। फिलहाल आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

उमरिया। जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से अपनी समस्याएँ लेकर पहुंचे लोगों को मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अपहरे रात रखने का अवसर मिला। कलेक्टर राखी सहाय एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय सिंह ने जनसुनवाई में पहुंचे 76 आवेदकों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएँ सुनीं। अधिकारियों ने आवेदकों को शिकायतों को मांगों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को आवेदन भेजकर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएँ सामने आईं। किसी आवेदक ने योजनाओं का लाभ नहीं मिलने को शिकायत की तो किसी ने बिजली, सड़क, पुलिया, आवास और दस्तावेजों से संबंधित समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी। कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याओं को सुनने के साथ ही संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर पात्रतानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लाइली बहना की तीन माह से नहीं मिली किरतजनसुनवाई में उमरिया निवासी सुनीता शुक्ला ने बताया कि उन्हें पिछले तीन माह से लाइली बहना योजना की किरत प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने लंबित करवा दिए जाने की मांग की। कलेक्टर ने आवेदन को संबंधित विभाग की ओर भेजते हुए मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी तरह नौगवां निवासी बुद्धी बाई डेल ने रसोई का कार्य पुनः दिलाए जाने की मांग रखी। आवेदक की समस्या सुनने के बाद संबंधित विभाग को प्रकरण भेजकर गया। जर्जर पुलिया और बिजली से जुड़ी शिकायतें गवोटोला निवासी मोहसिन खान ने टूटी एवं जर्जर पुलिया के कारण लोगों को

हो रही परेशानी को मामला उठाया। उन्होंने पुलिस का शोध निर्माण कराए जाने की मांग की। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को स्थल की स्थिति का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सिलौड़ी निवासी बोधनी बैसा ने शिकायत की कि उनके घर में बिजली का कनेक्शन नहीं है, इसके बाजूबट बिजली का बिल जान किया जा रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विद्युत

विभाग को जांच कर नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए गए। मुडुगुड़ी निवासी विश्वनाथ द्विवेदी ने गांव में 25 केवीए के स्थानांतरण के लिए 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अधिक क्षमतावाले बड़े ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है। आवेदन संबंधित विभाग को भेजकर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। पीएम आवस से लेकर आधाराधार विभाग को

मुशुआर तक पहुँचे आवेदनपत्रथहटा निवासी सुश्रा यादव ने प्रधामन्त्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने की मांग की। उन्होंने पाता के बावजूद योजना का लाभ नहीं मिलने की बात जनसुनवाई में रखी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण का परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं कौड़िया निवासी उद्देश सिंह परस्ते ने आधार कार्ड में जन्मतिथि से संबंधित समस्या और जन्मतिथि में सुधार कराए जाने के प्रबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन को संबंधित विभाग को भेजते हुए आवश्यक प्रक्रिया के तहत निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में विशाल फ्लैक्स, उमरिया द्वारा फ्लैक्स में बँस के भुगतान का मामला भी प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर ने आवेदन के संबंधित अधिकारी को भेजकर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आवेदनों के निराकरण पर रहीगी नजरकलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को केवल संबंधित विभाग तक भेजना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आवेदनों की समस्याओं का परीक्षण कर पाता के आधार पर निराकरण किया जाए तथा जिन मामलों में तत्काल समाधान संभव हो, उनमें अनावश्यक विलंब न किया जाए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रमुख श्रीवासव, प्रिया अग्रवाल, तहसीलदार बांधवाद दिलीप सोनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से संबंधित आवेदनों को प्रकर कर आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की।

विशालकाय जर्जर पेड़ से हादसे का
खतरा, नगर पालिका से हटाने की मांग



कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक ९ में रेलवे लाइन के किनारे कलमुडी गांव जाने वाले मुख्य मार्ग पर खड़ा विशालकाय जर्जर पेड़ इन दिनों हादसों के आमंत्रण दे रहा है। पेड़ बीच से फट चुका है और तेज हवा या बारिश के दौरान इसके कभी भी गिरने की आशंका बनी हुई है। रहवासी क्षेत्र में स्थित होने के कारण स्थानीय लोगों में जान-माल को लेकर चिंता बनी हुई है। बारिश के मौसम में आंधी-तूफान के कारण पुनः और जर्जर पेड़ों के गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। पिछले दिनों मुर्गी बाजार के पास बरिया टोला नगर एक पुराना पेड़ गिर गया था। ध्वस्त और बिजली आपूर्ति भी नसी तरह की जनहानि नहीं हुई। क्र. ९ में स्थित यह विशालकाय पेड़ है। पेड़ बीच से फट गया है, के गिरने का खतरा और बढ़ गया नकानों, वाहनों और बिजली के तारों के अनुसार, पेड़ को हटाने की योजना या चुकी है, लेकिन अब सड़क होने के कारण चौबीसों पेड़ गिरने पर यातायात बाधित भी बनी रहेगी। स्थानीय लोगों ने संभावित हादसों को देखते हुए पेड़ तुरी के सट्टाया जाए, ताकि की जनहानि न हो।

जाने वाले मार्ग पर भी आंधी-बारिश के दौरान एक पुराना पेड़ गिर गया था। इससे करीब तीन से चार घंटे तक मार्ग बाधित रहा और बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई थी। हालांकि उस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि वार्ड क्रमांक 9 में स्थित यह विशालकाय पेड़ भी काफी पुराना और अर्जर हो चुका है। पेड़ बीच से फट गया है, जिससे तेज हवा और बारिश के दौरान इसके गिरने का खतरा और बढ़ गया है। पेड़ गिरने की स्थिति में आपसपास के मकानों, वाहनों और बिजली के तारों को नुकसान पहुंच सकता है। रहवासियों के अनुसार, पेड़ को हटाने के लिए नगर पालिका को कई बार जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह मार्ग मुख्य सड़क होने के कारण चौबीसों घंटे लोगों का आवागमन रहता है। ऐसे में पेड़ गिरने पर यातायात बाधित होने के साथ बड़ी दुर्घटना की आशंका भी बनी रहेगी। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि संभावित हादसे को देखते हुए जरूर पेड़ का शीघ्र निरीक्षण कर उसे सुस्थित तरीके से हटया जाए, ताकि बारिश और आंधी के दौरान किसी प्रकार की जनहानि न हो।

पोषण व्यवस्था में लापरवाही नहीं चलेगी, हर बच्चे और गर्भवती की निगरानी के निदेश, पोषण ट्रैकर में शत-प्रतिशत एंट्री के साथ कुपोषित बच्चों व हाई रिस्क गर्भवतियों की नियमित मॉनिटरिंग पर जोर



उमरिया। जिले में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार के लिए प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था की और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को कलेक्टर सभागार में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित पोषण गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने मैदानी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पोषण ट्रेकर एप पर सभी आवश्यक जानकारीयों समय सीमा में दर्ज कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति का सही आकलन तभी संभव है, जब उनका वजन और ऊंचाई नियमित रूप से मापकर पोषण ट्रेकर एप पर सही जानकारी दर्ज की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक माह निर्धारित तिथि तक बच्चों का वजन और ऊंचाई सत्यापित कर कुर्पाएँ बच्चों का चिन्हांकन सुनिश्चित किया जाए।

नवीन रूप से विन्हित एसएएम, एमएएम एवं एमयूडब्ल्यू श्रेणी के बच्चों का शत-प्रतिशत पंजीन एवं फॉलोअप भी कराया जा जा बैठक में आगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित होने वाली सामुदायिक गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने प्रत्येक माह दो सीबीई गतिविधियां आयोजित करने तथा प्रतिमाह केंद्र स्तर पर वीएचएसएनडी का आयोजन कर उसकी शत-प्रतिशत जानकारी पोषण ट्रेकर एप पर दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल गतिविधियों का आयोजन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका सुनिश्चित रिकॉर्ड और फॉलोअप भी सुनिश्चित होना चाहिए। बच्चों के आहार विनियमन की होगी निगरानी। कलेक्टर ने तीन से छह माह आयु वर्ग के बच्चों को एचसीएम वितरण की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पात्र बच्चों तक पोषण आहार समय पर पहुंचे।

21 दिस से अधिक समय तक नाशरा एवं एचसीएम वितरण की जानकारी भी पोषण ट्रेकर एप पर निर्धारित समय सीमा में दर्ज की



जाए, ताकि वितरण व्यवस्था की ऑनलाइन नॉर्मिनटिंग की जा सके। गर्भवती महिलाओं के पोषण और स्वास्थ्य को लेकर भी बैठक में विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पोषण ट्रेकर में पंजीकृत प्रत्येक गर्भवती महिला के गर्भावस्था के दौरान वजन तथा वजन में होने वाली वृद्धि की जानकारी समय पर दर्ज की जाए। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त सितवियर एंटीमिक और हार्ड रिकस्क गर्भकालीन महिलाओं की सूची के आधार पर विशेषज्ञ निगरानी करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शनिवार को आमनाबाड़ी कार्यक्रमता, आशा कार्यकर्ता और एएनएम आवास में डाटा का मिलान करें। जिन गर्भवती महिलाओं का वजन अपेक्षित रूप से नहीं बढ़ रहा है, उनकी पहचान कर विशेष काउंसलिंग की जाए तथा आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जाए। स्कूल शिक्षा विभाग की सूची से होगा बच्चों का पंजीयन। बैठक में अतीत से छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के पोषण ट्रेकर में पंजीयन की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा विभाग से प्राप्त सूची के आधार पर ऐसे सभी बच्चों का सात दिवस के भीतर शत-प्रतिशत पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्रों की क्षमता का भी पूरा उपयोग करने पर जोर दिया। निर्देश दिए गए कि बेड क्षमता के अनुरूप कुपोषित बच्चों को शत-प्रतिशत भर्ती कराया जाए। भर्ती बच्चों के उपचार और फॉलोअप की नियमित निगरानी करते हुए संबंधित जानकारी पोर्टल पर अपडेट की जाए। कलेक्टर ने सभी परियोजना अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया कि पोषण संबंधी गतिविधियों की नियमित समीक्षा करें और मैदानी स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही न होने दें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. की.एच. चंदेल, डॉ. ऋचा गुप्ता, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग रूचि बाली सहित बीपीएम और सीडीपीओ उपस्थित रहे।

हरियाली के संकल्प के साथ एसईसीएल जमूना-कोतमा क्षेत्र में वृहद वृक्षारोपण

न्यायाधीश रावेन्द्र सोनी ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित



बदरा/जमुना। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला वाइल्ड सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश रावेन्द्र सोनी के नेतृत्व में एससीएल जमुना कोतमा क्षेत्र में बृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीएलबी संजय साहू, सहित चौरसिया जमना, रेखा मिश्रा, राधा सिंह एससीएल जमना-कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वृक्षारोपण अभियान को शुरुआत एससीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय के सामने पौधे लगाकर की गई इस दौरान न्यायाधीश रावेन्द्र सोनी सहित उपस्थित अधिकारियों एवं अधिकारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए अभियान में फलदार पौधों के साथ अशोक, पीपल सहित अन्य उपयोगी एवं पर्यावरण हितैषी पौधे लगाए गए। इसके बाद सभी लोग मंगल भजना, जमुना कालीर पहंयें वहां मंगल भजन की बाउंड्री के अंदर बृहद स्तर पर वृक्षारोपण

किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह, धीरेन्द्र सिंह उर्फ मिट्टू मंडल अध्यक्ष पसान भाजपा, ईजीनियर अविनाश मरकाम सहित नगर पालिका के कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने उत्साह के साथ पौधे लगाकर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। वृक्षारोपण अभियान के तहत जमुना कॉलोनी हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में भी व्यापक स्तर पर पौधे लगाए गए विद्यालय के प्राचार्य अवध राज सिंह सोलंकी सहित शिक्षक एवं स्टाफ ने कार्यक्रम में सहभागिता निभाई विद्यालय परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर न्यायाधीश रावेन्द्र सोनी ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें भविष्य के लिए प्रेरित किया उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा, लक्ष्य निर्धारण, समय के सदुपयोग, अनुशासन और निरंतर मेहनत के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया।

न्यायाधीश रावेन्द्र सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है लक्ष्य तय होने के बाद उसे प्राप्त करने के लिए नियमित मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए उन्होंने कहा कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सफलता की दिशा में आगे बढ़ने का एक अवसर है विद्यार्थियों को अपने समय का सदुपयोग करते हुए पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए और मोबाइल एवं अन्य आवश्यक गतिविधियों में अपना बहुमूल्य समय बर्बाद नहीं करना चाहिए उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे शिक्षा के साथ संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाएं आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, छाया और बेहतर पर्यावरण का आधार बनेगा। एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक प्रभाकर राण त्रिपाठी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल नहीं एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है उन्होंने कहा कि पौधा लगाना पहला कदम है, लेकिन उसकी नियमित देखभाल कर उसे वृक्ष के रूप में विकसित करना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है उन्होंने सभी से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी जिम्मेदारी लेते हुए उसका संरक्षण करे, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण मिल सके।



त्योहारों में शांति और भाइचारा बनाए रखने पर जोर, कोतमा में शांति समिति की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज कोतमा

। आगामी त्योहारों को आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर सोमवार देश शासनाधीन पश्चिम में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नाथब तहसीलदार गुरुदास प्रसाद, थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल, उपनिरीक्षक श्यामलाल मधवा, नगर पालिका एवं विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों सहित गणनायक नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में आगामी रक्षाबंधन, ईद मिलादुन्नी एवं जमाआतमी पर्व को लेकर सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। ईद मिलादुन्नी के अवसर पर जुलूस निकाले जाने को लेकर मार्गों की व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा आवश्यक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों और समिति सदस्यों ने त्योहारों के दौरान नागरिकों में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने

मुझ्वाव रखे। नगर पालिका एवं संबंधित विभागों को अपने-अपने स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएँ समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही समिति सदस्यों से लोहारों के दौरा सक्रिय भागीदारी निभाते हुए आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखने की अपील की गई। बैठक में नगर की यातायात व्यवस्था सुचारू रखने, नगर पालिका द्वारा साफ-सफाई एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित करने तथा लोहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने पर चर्चा हुई। इसके अलावा सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अपवादों और भ्रामक सूचनाओं से बचने तथा बनावुट किसी भी संदेश को आगे प्रसारित नहीं करने की अपील की गई। अधिकारियों ने नागरिकों से शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध अथवा भ्रामक सूचना की तत्काल संबंधित अधिकारियों को जानकारी देने का आग्रह किया।

ख़बर संक्षेप

कीचड़ में तब्दील मार्ग, आवागमन हुआ मुश्किल

सिलौंडी। सिलौंडी सोसायटी के बाजू से बसेहरा जाने वाले मार्ग घनहन रोड में कीचड़ होने के कारण किसान पैदल भी नहीं जा पा रहे हैं खेतों को अनेक बार शिकायत करने के बाद भी मार्ग में सुधार कार्य नहीं होने से किसानों की फसल चौपट हो रही है क्योंकि किसी मार्ग में पैदल जाने में भी बहुत बहुत दिक्कत हो रही है किसानों ने जन विश्वास अभियान में जिला कलेक्टर को मार्ग का निरीक्षण भी कराया था जिला कलेक्टर ने मार्ग में तुरंत ही मुरुम डलवाने का वादा किया था परंतु आज 10 दिनों बाद भी किसानों को निराशा होना पड़ रहा है ।लगभग 200 किसानों के आने जाने मार्ग में कीचड़ होने से किसान भाई बहुत बहुत उदास हैं ।यदि जल्द से जल्द मार्ग में सुधार कार्य नहीं हुआ तो किसान भाई उग्र आंदोलन करेंगे ।

युवक पर चाकू से हमला

कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र के बैलटघाट इलाके में चाकूबाजी की घटना से हड़कंप मच गया। विवाद के दौरान एक युवक पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार रोहित सिंह राठौड़ का किसी बात को लेकर सचिन निषाद से विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और इसी दौरान सचिन निषाद ने रोहित पर चाकू से वार कर दिया। चाकू युवक की जांच में लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल रोहित को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। घायल युवक के मुताबिक, आरोपी सचिन निषाद पूर्व में भी उससे विवाद करता रहा है।

संस्था कमला नर्सिंग कॉलेज में मनाया गया रक्षाबंधन और राखी प्रतियोगिता



बिरसिंहपुर पाली	रक्षाबंधन सिर्फ भाई-बहन के प्रेम का त्यौहार नहीं यह विश्वास सम्मान और सामाजिक एकता का प्रतीक है साथ ही संस्था प्राचार्य डॉक्टर प्रियंका पटेल ने कहा है की अलग-अलग धार्मिक और सामाजिक पृष्ठभूमि के बावजूद प्रेम और सहयोग की भावना मजबूत बनाती है महाविद्यालय परिवार ने रक्षाबंधन को सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे से जोड़ते हुए कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें मुख्य रूप से देवेंद्र द्विवेदी अंजू अरोरा अलका जया कुशवाहा सोनम रजक	प्रिया सिंह पूजा पांडे स्वाति सिंह रेखा पटेल शिल्पा जोश और कई छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें से प्रथम पुरस्कार द्वितीय पुरस्कार एवं तृतीय पुरस्कार का वितरण संस्था प्राचार्य द्वारा और शिक्षकों द्वारा वितरित किए गए
-----------------	--	---

नो एंट्री का उल्लंघन करने पर चार हाईवा का किया चालान

बुढ़ार।	बुढ़ार थाने का अनुभव रहा है और यातायात प्रभारी के रूप में उनका पिछला कार्यकाल काफी सराहनीय माना जा रहा है।उनके इस नए कार्यकाल में कानून व्यवस्था को लेकर पहले दिन ही नो एंट्री का उल्लंघन करने पर चार हाईवा ट्रक का चालान कर 20 हजार का जुर्माना एमबी एक्ट के तहत किया।
जिला पुलिस प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक डॉ.संजय कुमार अग्रवाल ने हाल ही में जिले के विभिन्न थानों में फेरबदल करते हुए थाना प्रभारियों के तबादले किए हैं। इसी क्रम में जिले में यातायात प्रभारी के रूप में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले थाना प्रभारी संजय कुमार जायसवाल को दूसरी बार बुढ़ार थाने की कमान सौंपी गई है। विभागीय आदेश के परिपालन में श्री जायसवाल ने बुढ़ार थाने पहुंचकर विधिवत अपना पदभार	ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के उपरांत नवागत थाना प्रभारी संजय कुमार जायसवाल ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। यह एक सकारात्मक और जनहितकारी प्रशासनिक पहल है, संजय जायसवाल के पास पहले भी

बुढ़ार थाने का अनुभव रहा है और यातायात प्रभारी के रूप में उनका पिछला कार्यकाल काफी सराहनीय माना जा रहा है।उनके इस नए कार्यकाल में कानून व्यवस्था को लेकर पहले दिन ही नो एंट्री का उल्लंघन करने पर चार हाईवा ट्रक का चालान कर 20 हजार का जुर्माना एमबी एक्ट के तहत किया।	कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
---	--

बुढ़ार थाने का अनुभव रहा है और यातायात प्रभारी के रूप में उनका पिछला कार्यकाल काफी सराहनीय माना जा रहा है।उनके इस नए कार्यकाल में कानून व्यवस्था को लेकर पहले दिन ही नो एंट्री का उल्लंघन करने पर चार हाईवा ट्रक का चालान कर 20 हजार का जुर्माना एमबी एक्ट के तहत किया।	कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
---	--

पुलिस की गिरफ्त में आया बदमाश, सोने चांदी के किये बरामद जेवरात, भेजा गया हवालात

हरिभूमि न्यूज़	उमरियापान
उमरियापान पुलिस ने चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य तथा एसडीओपी स्लीमनाबाद श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी उमरियापान उप-निरीक्षक महेंद्र कुमार जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की विवेचना करते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस के अनुसार, प्रार्थिया वर्षा लोधी निवासी पकारिया ने थाना उमरियापान में शिकायत दर्ज कराई थी कि 4 अगस्त	2026 को दरमियानी रात अज्ञात चोर उनके घर में घुसा और सोने-चांदी के जेवरात से भरी पेटी चोरी कर ले गया। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 250/2026, धारा 331(4), 305(a) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की।
उमरियापान पुलिस ने चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य तथा एसडीओपी स्लीमनाबाद श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी उमरियापान उप-निरीक्षक महेंद्र कुमार जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की विवेचना करते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस के अनुसार, प्रार्थिया वर्षा लोधी निवासी पकारिया ने थाना उमरियापान में शिकायत दर्ज कराई थी कि 4 अगस्त	चोरी की वारदात कबूल कर ली। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात बरामद कर लिए। गिरफ्तारी के बाद आरोपी अजीत उर्फ जितू कोल को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से जेल वारंट जारी होने पर उसे जिला जेल कटनी भेज दिया गया।
उमरियापान पुलिस ने चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य तथा एसडीओपी स्लीमनाबाद श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी उमरियापान उप-निरीक्षक महेंद्र कुमार जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की विवेचना करते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस के अनुसार, प्रार्थिया वर्षा लोधी निवासी पकारिया ने थाना उमरियापान में शिकायत दर्ज कराई थी कि 4 अगस्त	मामले का खुलासा करने और चोरी का मशरूका बरामद करने में थाना प्रभारी उप-निरीक्षक महेंद्र जायसवाल, उप-निरीक्षक भरत सिंह मार्को, प्रधान आरक्षक आशीष झारिया, प्रधान आरक्षक अजय तिवारी, आरक्षक सतेन्द्र चौरसिया, आरक्षक नीलेश पटेल, आरक्षक मोहन मुनेल, आरक्षक रोहित झारिया सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण एवं भूमिका रही।

एनजीटी ने टोरेट पावर के खिलाफ बुद्धसेन राठौर की याचिका खारिज की रक्सा-कोलमी परियोजना को लेकर दायर आपतियों पर न्यायाधिकरण का फैसला



अनूपपुर। रक्सा-कोलमी में निर्माणाधीन टोरेट पावर परियोजना को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), मध्य क्षेत्र पीठ भोपाल में चल रहे मामले में महत्वपूर्ण न्यायिक फैसला सामने आया है। परियोजना से संबंधित आपतियों को लेकर बुद्धसेन राठौर

द्वारा दायर मूल आवेदन क्रमांक 114/2026 (सीजेडी) को एनजीटी ने 12 अगस्त को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। बुद्धसेन राठौर ने अपनी याचिका में टोरेट पावर लिमिटेड सहित अन्य पक्षकारों को शामिल करते हुए रक्सा-कोलमी परियोजना के

निर्माण एवं उससे जुड़े विभिन्न कार्यों को लेकर कई आपतियां और आरोप न्यायाधिकरण के समक्ष रखे थे। याचिका के माध्यम से परियोजना के संबंध में आवश्यक हस्तक्षेप की मांग की गई थी। याचिका में परियोजना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं को लेकर

सवाल उठाए गए थे। सुनवाई के दौरान टोरेट पावर सहित संबंधित पक्षों की ओर से न्यायाधिकरण के समक्ष अपना पक्ष और उपलब्ध दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद 12 अगस्त को राष्ट्रीय हरित अधिकरण की मध्य क्षेत्र पीठ, भोपाल ने मूल आवेदन को खारिज कर दिया। इसके साथ ही रक्सा-कोलमी परियोजना को लेकर बुद्धसेन राठौर द्वारा न्यायाधिकरण के समक्ष उठाए गए मुद्दों से संबंधित उक्त कार्यवाही समाप्त हो गई। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश को रक्सा-कोलमी परियोजना के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। याचिका खारिज होने के बाद परियोजना को लेकर न्यायाधिकरण के समक्ष चल रही उक्त कार्यवाही पर विराम लग गया है। 12 अगस्त को पारित आदेश के अनुसार बुद्धसेन राठौर का मूल आवेदन क्रमांक 114/2026 (मध्य क्षेत्र) खारिज कर दिया गया है।



दिया विविधता में एकता का संदेश

शहडोल।एम.जी.एम. स्कूल धनपुरी में रक्षाबंधन, मिलाद-उन-नबी और ओणम पर्व को उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने तीनों पर्वों की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विशेषताओं को अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराने के साथ-साथ आपसी प्रेम, भाईचारे, शांति, सह-अस्तित्व और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत पर्वों की महत्ता एवं उनके संदेश पर प्रकाश डालते हुए की गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने पारंपरिक नृत्य, गीत, नाट्य एवं अन्य रंगरंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। रक्षाबंधन से जुड़ी प्रस्तुतियों में भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के भाव को सुंदर ढंग से अभिव्यक्त किया गया। वहीं मिलाद-उन-नबी के अवसर पर विद्यार्थियों ने पैगंबर मोहम्मद साहब की शिक्षाओं, शांति, मानवता, प्रेम और सद्भाव के संदेश को अपनी प्रस्तुति के माध्यम से सामने रखा। केवल की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक ओणम पर्व भी कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से ओणम की लोक-संस्कृति और उत्सवधर्मिता को जीवंत कर दिया। इन प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि भारत की पहचान उसकी अनेकता में निहित है और अलग-अलग संस्कृतियां मिलकर देश की समृद्ध विरासत को और अधिक सुंदर बनाती हैं। कार्यक्रम के दौरान रखी बनाने की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं कलात्मक कौशल का परिचय दिया।

बच्चों द्वारा हाथ से तैयार की गई रंग-बिरंगी राखियों, आकर्षक सजावट तथा आधुनिक डिजाइनों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता को रचनात्मक रूप देने का अवसर मिला। विद्यालय के रमन एवं चरक स्कूलों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने आयोजन को विशेष आकर्षण प्रदान किया। विद्यार्थियों की अलूथशास्त्रित, आत्मविश्वासपूर्ण और प्रभावशाली प्रस्तुतियों की उपस्थितजनों ने सराहना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार की ओर से यह संदेश प्रमुखता से दिया गया कि विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के पर्वों को साथ मिलकर मनाना विद्यार्थियों में आपसी सम्मान, सहिष्णुता और भाईचारे का वातावरण विकसित करता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या, उप-प्रधानाचार्या ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को रक्षाबंधन, मिलाद-उन-नबी और ओणम की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एम.जी.एम. स्कूल सदैव भारतीय संस्कृति की मूल भावना “विविधता में एकता” को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन केवल त्योहार मनाने तक सीमित नहीं होते, बल्कि विद्यार्थियों को एक-दूसरे की परंपराओं, भावनाओं और संस्कृतियों का सम्मान करना भी सिखाते हैं। विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, सौहार्द और आपसी भाईचारे का वातावरण बना रहा। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं भारत की साझा विरासत हैं और उनका सम्मान करना ही सच्ची राष्ट्रीय एकता की पहचान है। इस प्रकार एम.जी.एम. स्कूल धनपुरी में आयोजित रक्षाबंधन, मिलाद-उन-नबी एवं ओणम समारोह विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, संस्कृति, रचनात्मकता और सौहार्द का प्रेरणादायी अवसर बना।

जनपद में सीईओ के खिलाफ जनप्रतिनिधियों का शक्ति प्रदर्शन बैठक में अधिकारियों की गैरमौजूदगी से भड़का आक्रोश, अध्यक्ष सहित सदस्यों ने कार्यालय के बाहर दिया धरना; एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मानपुर।	मानपुर।	मानपुर।
जनपद पंचायत मानपुर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकित सिरोटिया की कार्यप्रणाली को लेकर जनपद अध्यक्ष सहित सदस्यों का असंतोष खुलकर सामने आया। आवश्यक बैठक में शामिल होने पहुंचे जनप्रतिनिधियों को जब बैठक स्थल पर सीईओ और संबंधित कर्मचारियों की मौजूदगी नहीं मिली तो नाराज सदस्यों ने जनपद कार्यालय के बाहर दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। जनपद अध्यक्ष ममता सिंह के नेतृत्व में धरने पर बैठे सदस्यों ने आरोप लगाया कि उन्हें बैठक के लिए सूचना देकर बुलाया गया था। इसके बावजूद बैठक स्थल पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी नहीं रही। सदस्यों ने सवाल उठाया कि यदि बैठक स्थगित या निरस्त की गई थी तो इसकी जानकारी पहले से जनपद सदस्यों को क्यों नहीं दी गई। एक घंटे तक चला धरनाजनप्रतिनिधियों का धरना करीब एक घंटे तक चला। सदस्यों ने कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाने के बाद अधिकारियों की अनुपस्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि	जनपद पंचायत मानपुर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकित सिरोटिया की कार्यप्रणाली को लेकर जनपद अध्यक्ष सहित सदस्यों का असंतोष खुलकर सामने आया। आवश्यक बैठक में शामिल होने पहुंचे जनप्रतिनिधियों को जब बैठक स्थल पर सीईओ और संबंधित कर्मचारियों की मौजूदगी नहीं मिली तो नाराज सदस्यों ने जनपद कार्यालय के बाहर दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। जनपद अध्यक्ष ममता सिंह के नेतृत्व में धरने पर बैठे सदस्यों ने आरोप लगाया कि उन्हें बैठक के लिए सूचना देकर बुलाया गया था। इसके बावजूद बैठक स्थल पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी नहीं रही। सदस्यों ने सवाल उठाया कि यदि बैठक स्थगित या निरस्त की गई थी तो इसकी जानकारी पहले से जनपद सदस्यों को क्यों नहीं दी गई। एक घंटे तक चला धरनाजनप्रतिनिधियों का धरना करीब एक घंटे तक चला। सदस्यों ने कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाने के बाद अधिकारियों की अनुपस्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि	जनपद पंचायत मानपुर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकित सिरोटिया की कार्यप्रणाली को लेकर जनपद अध्यक्ष सहित सदस्यों का असंतोष खुलकर सामने आया। आवश्यक बैठक में शामिल होने पहुंचे जनप्रतिनिधियों को जब बैठक स्थल पर सीईओ और संबंधित कर्मचारियों की मौजूदगी नहीं मिली तो नाराज सदस्यों ने जनपद कार्यालय के बाहर दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। जनपद अध्यक्ष ममता सिंह के नेतृत्व में धरने पर बैठे सदस्यों ने आरोप लगाया कि उन्हें बैठक के लिए सूचना देकर बुलाया गया था। इसके बावजूद बैठक स्थल पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी नहीं रही। सदस्यों ने सवाल उठाया कि यदि बैठक स्थगित या निरस्त की गई थी तो इसकी जानकारी पहले से जनपद सदस्यों को क्यों नहीं दी गई। एक घंटे तक चला धरनाजनप्रतिनिधियों का धरना करीब एक घंटे तक चला। सदस्यों ने कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाने के बाद अधिकारियों की अनुपस्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि



खबर संक्षेप

अमरकंटक से बामनगढ़ बमलेश्वर धाम तक निकली भव्य कांवड़ यात्रा



अनूपपुर। सावन माह की पावन बेला में नर्मदावल वीर शिवाजी युवा संगठन एवं हीरा सिंह श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 24 अगस्त को अमरकंटक से बामनगढ़ स्थित बमलेश्वर धाम तक भव्य कांवड़ यात्रा निकली गई। यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। भक्ति और आस्था से ओतप्रोत यात्रा के दौरान पूरा मार्ग हर-हर महादेव, बोल बम और जय मां नर्मदा के जयघोष से गुंजता रहा। कांवड़ यात्रियों ने अमरकंटक स्थित मां नर्मदा मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद मां नर्मदा का पवित्र जल कांवड़ में लेकर बामनगढ़ बमलेश्वर धाम के लिए यात्रा प्रारंभ की गई। भगवा एवजों और धार्मिक जयघोष के साथ आगे बढ़ती कांवड़ यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर जलपान और विश्राम की व्यवस्था की गई। कांवड़ यात्री निर्धारित मार्ग से होते हुए पोड़की पहुंचे, जहां उनके लिए जलपान की व्यवस्था रही। इसके बाद दौनिया तिराहा में भी श्रद्धालुओं को जलपान कराया गया और विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराई गई। पूरे यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिली। शाम के समय कांवड़ यात्रा बामनगढ़ स्थित बमलेश्वर धाम पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने अमरकंटक से कांवड़ में लाए गए मां नर्मदा के पवित्र जल से भगवान बमलेश्वर महादेव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना की। जलाभिषेक के दौरान पूरा धाम हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। आयोजक नर्मदावल वीर शिवाजी युवा संगठन एवं हीरा सिंह श्याम मित्र मंडल की ओर से यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता से संपन्न हुई यह कांवड़ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम बन गई।

15 दिनों से जैतहरी इलाके में हंगामा मचा रहे दो हाथी, मंगलवार को प्लांट के अंदर दहरे



अनूपपुर। छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले की सीमा में आए दो हाथी पिछले 15 दिनों से जैतहरी क्षेत्र में लगातार विचरण कर रहे हैं। दिन के समय जंगल में ठहरने वाले दोनों हाथी शाम और रात होते ही वे जंगल से निकलकर आसपास के बगीची क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं और मकानों तथा खेतों में लगी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सोमवार को दोनों हाथियों ने धनगवां बाँट के झंडी डोंगरी जंगल में दिन बिताया। शाम होते ही वे जंगल से निकलकर कुसुमाहाड़ा, पटौरा, चांदपुर और टकहली होते हुए चांदपुर-जैतहरी मुख्य मार्ग पर पहुंचे। कुछ देर मुखा मार्ग पर विचरण करने के बाद मंगलवार सुबह दोनों हाथी गुवागरी गांव के चिकारे स्थित मोजर क्षेत्र पास प्लांट के गेट नंबर-3 के पास पहुंच गए। यहां हाथियों ने सीमेंट की बाड़ें तोड़कर प्लांट परिसर में प्रवेश किया और दिन के समय वहीं ठहर रहे। दोनों हाथी देर रात प्लांट से निकलकर चिकरा में जाके, इसका पता उनके आगे के विचरण के बाद ही चल सकेगा।

27 साल बाद रक्षाबंधन पर बन रहा 11 शुभ योगों का महा संयोग, भद्रा का भी नहीं रहेगा साया

अनूपपुर। भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट विश्वास का पर्व रक्षाबंधन इस बार विशेष शुभ संयोगों के साथ मनाया जाएगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, करीब 27 साल बाद रक्षाबंधन के दिन एक साथ 11 शुभ योग बनने की मान्यता है। खास बात यह है कि इस बार राखी बांधने के समय भद्रा का व्यवधान भी नहीं रहेगा। ऐसे में बहनों को भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने के लिए भद्रा समाप्त होने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। 28 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाए जाने को लेकर बाजारों में भी तैयारियां तेज हो गई हैं और राखी, मिठाई तथा पूजा सामग्री की खरीदारी शुरू हो गई है।

उदया तिथि के आधार पर 28 अगस्त को मनेगा पर्व
पंचायती मंदिर के पंडित कुंज बिहारी मिश्रा के अनुसार सावन पूर्णिमा की तिथि 27 अगस्त को सुबह 8 बजकर 31 मिनट से शुरू होगी, जो 28 अगस्त की सुबह 9 बजकर 18 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के नियम के अनुसार रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त को मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त की रात करीब 8 बजकर 54 मिनट पर भद्रा समाप्त हो जाएगी। इसलिए 28 अगस्त को राखी

बांधने के दौरान भद्रा का कोई व्यवधान नहीं रहेगा।

27 साल बाद बन रहा ऐसा संयोग
ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस बार रक्षाबंधन पर ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के चलते कई शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। करीब 27 साल बाद एक ही दिन 11 शुभ योग बनने का संयोग बताया जा रहा है। इन शुभ योगों के कारण रक्षाबंधन का धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार ऐसे संयोग में किए गए पूजा-पाठ, दान-पुण्य और धार्मिक कार्यों को विशेष फलदायी माना जाता है।

भद्रा नहीं बनेगी राखी बांधने में बाधा
रक्षाबंधन के दिन भद्रा का प्रभाव नहीं होने से बहनों में भी खास उत्साह है। आमतौर पर भद्रा के दौरान राखी बांधने से बचने से शुरू होगी, जो 28 अगस्त की सुबह 9 बजकर 18 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के नियम के अनुसार रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त को मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त की रात करीब 8 बजकर 54 मिनट पर भद्रा समाप्त हो जाएगी। इसलिए 28 अगस्त को राखी



रक्षाबंधन के दिन घरों में सुबह से ही उत्सव का माहौल रहेगा। बहनें पूजा की थाली सजाएंगी। थाली में रोली, अक्षत, दीपक, मिठाई और राखी रखकर भाई की पूजा करेंगी। भाई के माथे पर तिलक लगाने के बाद आरती उतारी जाएगी और कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा जाएगा। इसके बाद भाई अपनी बहन को उपहार देकर उसकी रक्षा का संकल्प लेगा।

बाजारों में भी बड़ी चहल-पहल
रक्षाबंधन को लेकर कोतमा सहित आसपास के बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ने लगी है। दुकानों पर रंग-बिरंगी राखियां सज गई हैं। बच्चों के लिए कार्टून और आकर्षक डिजाइन वाली राखियां

विशेष रूप से उपलब्ध हैं, जबकि युवाओं और महिलाओं के लिए भी विभिन्न डिजाइन की राखियां बाजार में पहुंची हैं। मिठाई की दुकानों पर भी पर्व को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

दान-पुण्य और पूजा-पाठ का भी रहेगा महत्व
पंडित अमन पाण्डेय के अनुसार रक्षाबंधन केवल भाई की कलाई पर राखी बांधने का पर्व नहीं है, बल्कि यह पारिवारिक प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। इस दिन परिवारों में पूजा-पाठ के साथ दान-पुण्य करने की परंपरा भी है। कई लोग जख्तरमंदों को भोजन, वस्त्र और अन्य सामग्री दान करते

हैं। शुभ योगों के संयोग के चलते इस बार धार्मिक आयोजनों और दान-पुण्य को लेकर भी लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिल सकता है।

बहनों को भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने का रहेगा इंतजार

रक्षाबंधन के पर्व को लेकर बहनों में खास उत्साह है। दूर रहने वाली बहनें भी भाइयों के घर पहुंचने की तैयारी में जुटी हैं। वहीं, भाई भी अपनी बहनों के स्वागत और उपहार देने की तैयारी कर रहे हैं। शुभ संयोग और भद्रा के व्यवधान से मुक्त रक्षाबंधन के चलते इस बार पर्व का उत्साह और भी बढ़ने की उम्मीद है।

जिला जेल में बहनें बांध सकेंगी राखी, जेल प्रशासन ने जारी किए दिशा-निर्देश

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर जिला जेल अनूपपुर में 28 अगस्त को बंदी भाइयों और उनकी बहनों की खुली मुलाकात कराई जाएगी। इस संबंध में जेल प्रशासन ने मुलाकात को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिला जेल के उप जेल अधीक्षक

इंद्रदेव तिवारी ने बताया कि मुलाकात के लिए परिजनों के नाम सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक दर्ज किए जाएंगे। निर्धारित समय के बाद मुलाकात के अनुरोध स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने मुलाकात के लिए आने वाली बहनों से अपील की है कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए रुपये-पैसे, मोबाइल फोन, मादक पदार्थ अथवा अन्य प्रतिबंधित सामग्री साथ लेकर न आए। किसी भी प्रकार की बाहरी सामग्री के साथ जेल परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। रक्षाबंधन के लिए बहनें केवल जेल कैदीन से निर्धारित राशि का भुगतान कर राखी, 250 ग्राम तक मिठाई, कुमकुम, फल और रुमाल प्राप्त कर सकेंगी। इसके अलावा किसी अन्य बाहरी सामग्री को जेल परिसर में ले जाने की अनुमति नहीं रहेगी। उप जेल अधीक्षक इंद्रदेव तिवारी ने मुलाकात के दौरान जेल प्रशासन को सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने अथवा अव्यवस्था उत्पन्न करने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति को मुलाकात से वंचित किया जा सकता है।

श्रावण मास के समापन के साथ अमरकंटक में थमा आस्था का सैलाब

चौथे सोमवार के बाद खाली हुए घाट और मंदिर परिसर

अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रावण मास के अंतिम एवं चौथे सोमवार के समाप्त होते ही श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की संख्या में अचानक भारी कमी देखने को मिली। श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी, मंगलवार 25 अगस्त को सुबह से शाम तक पूरे नगर में अपेक्षाकृत सन्नाटा पसर रहा। जहां एक दिन पूर्व तक शिवभक्तों का सैलाब उमड़ रहा था, वहीं मंगलवार को बमुश्किल चार से पांच हजार के आसपास श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की आमद रही। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को पवित्र नगरी अमरकंटक में आस्था का ऐसा विराट संप्रम देखने को मिला कि नगर की गलियां, मंदिर परिसर, नर्मदा तट और प्रमुख धार्मिक स्थल हर-हर महादेव तथा मां नर्मदा के जयघोष से गुंजायमान रहे। अनुमान के अनुसार अंतिम सोमवार को करीब एक लाख शिवभक्तों ने अमरकंटक पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक, पूजन-अर्चन एवं दर्शन किया। तड़के से शुरू हुआ श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। लगभग एक माह तक श्रावण मास की भक्ति में डूबे अमरकंटक में प्रत्येक सोमवार को श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ रही। नर्मदा उद्गम क्षेत्र, मां नर्मदा मंदिर, रामघाट सहित विभिन्न शिवालयों में भक्तों की लंबी कतारें दिखाई देती रही। दूर-दराज के क्षेत्रों से कांवर लेकर पहुंचे शिवभक्तों ने मां नर्मदा के पवित्र जल से भगवान शिव का अभिषेक कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति



के लिए प्रार्थना की। इस दौरान पूरा अमरकंटक धार्मिक आस्था, भजन-कीर्तन और शिव आराधना से सराबोर रहा। श्रावण मास के अंतिम सोमवार की शाम होते-होते अधिकांश श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य की ओर लौट गए। इसके साथ ही अमरकंटक में एक माह से बनी हुई चहल-पहल भी धीरे-धीरे कम होने लगी। मंगलवार को मंदिरों, घाटों और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सामान्य दिनों की तरह ही सीमित संख्या में श्रद्धालु नजर आए। श्रावण मास के दौरान लगातार बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के पहुंचने से अमरकंटक का धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण और भी जीवंत बना रहा। स्थानीय व्यापारियों, होटल संचालकों, वाहन चालकों, प्रसाद एवं पूजन सामग्री विक्रेताओं सहित विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लोगों में भी अच्छी-खासी चहल-पहल रही। नगर की अर्थव्यवस्था में भी धार्मिक पर्यटन की इस व्यापक आवक का प्रत्यक्ष प्रभाव देखने को मिला। अब श्रावण मास के समापन के बाद आगामी पर्व-त्योहारों को लेकर लोगों में

उत्साह बना हुआ है। 28 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा, जबकि 29 अगस्त को कजलियों का त्योहार रहेगा। इन पर्वों को लेकर भी अमरकंटक में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की आवक बढ़ने की संभावना बनी हुई है। इसी बीच रायपुर-आरांग क्षेत्र से उज्जैन दर्शन कर वापस लौट रहा 36 कांवरियों एवं शिवभक्तों का दल भी अमरकंटक पहुंचा और नगर में ठहरा। दल के श्रद्धालुओं ने पवित्र नगरी की धार्मिक महत्ता के अनुरूप मां नर्मदा के दर्शन-पूजन तथा विभिन्न धार्मिक स्थलों का पुण्य लाभ प्राप्त किया। श्रावण मास भले ही अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया हो, लेकिन अमरकंटक की आध्यात्मिक चेतना में इसकी अनुभूति लंबे समय तक बनी रहेगी। एक माह तक हर ओर गुंजते "हर-हर महादेव" और "जय मां नर्मदा" के जयघोष ने पवित्र नगरी को शिवमय बनाए रखा। अब श्रावण की भीड़ भले ही लौट गई हो, मगर अमरकंटक की धरती पर आस्था की वह दिव्य छाप और भक्तिभाव की स्मृतियां लंबे समय तक श्रद्धालुओं के मन में अंकित रहेंगी।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक के दो विज्ञान नवाचार राष्ट्रीय स्तर पर चयनित

अमरकंटक। कभी जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकंटक की कक्षाओं में बैठकर भविष्य के सपने देखने वाले डॉ. सुनील कुमार आज उसी विद्यालय में विद्यार्थियों के सपनों को नई दिशा दे रहे हैं। उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन में तैयार किए गए पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक के दो विद्यार्थियों के विज्ञान आधारित नवाचारों का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ है। यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के साथ-साथ अमरकंटक के लिए भी गौरव का विषय है। विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी एवं वर्तमान में नवाचार मार्गदर्शक के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे डॉ. सुनील कुमार के निर्देशन में विद्यार्थियों ने अपने आसपास की वास्तविक समस्याओं को पहचानकर उनके तकनीकी समाधान विचारों को दिशा दी। दोनों कार्यशील मॉडलों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और समस्या के व्यावहारिक समाधान को झलक दिखाई देती है।

प्रयाग सेन ने विकसित की स्मार्ट सिंचाई प्रणाली
कक्षा 11वीं के विद्यार्थी प्रयाग सेन ने सतत कृषि विषय पर आधारित स्मार्ट सिंचाई

प्रणाली विकसित की है। कृषि क्षेत्र में पानी और बिजली की अनावश्यक खपत को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई इस प्रणाली में मिट्टी की नमी और मौसम की स्थिति के आधार पर सिंचाई को नियंत्रित करने की व्यवस्था की गई है। इस तकनीक के माध्यम से फसल की आवश्यकता के अनुसार ही पानी उपलब्ध कराया जा सकता है, जिससे पानी की बर्बादी को रोकने के साथ सिंचाई पंप के अनावश्यक संचालन और बिजली की खपत को भी कम किया जा सकता है। इस प्रणाली को सौर ऊर्जा से संचालित करने की दिशा में भी विकसित किया गया है।

अरमान नापित ने बनाया जैव-चिकित्सीय कचरा प्रसंस्करण मॉडल

कक्षा 12वीं के विद्यार्थी अरमान नापित ने बढ़ते जैव-चिकित्सीय कचरे की समस्या को ध्यान में रखते हुए जैव-चिकित्सीय कचरा प्रसंस्करण इकाई का कार्यशील मॉडल तैयार किया है। इस परियोजना का उद्देश्य अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों से



निकलने वाले जैव-चिकित्सीय कचरे के सुरक्षित प्रबंधन एवं प्रसंस्करण की दिशा में व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करना है। विद्यार्थी ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण के माध्यम से यह प्रदर्शित करने का प्रयास किया है कि गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय स्तर पर भी प्रभावी नवाचार विकसित किए जा सकते हैं।

वास्तविक समस्याओं को समाधान में बदलने का प्रयास
दोनों विज्ञान परियोजनाओं की खासियत यह

है कि विद्यार्थियों ने केवल प्रतियोगिता के लिए मॉडल तैयार नहीं किए, बल्कि अपने आसपास दिखाई देने वाली वास्तविक समस्याओं को समझकर उनके समाधान तलाशने का प्रयास किया। यही दृष्टिकोण इन नवाचारों को उपयोगी और महत्वपूर्ण बनाता है। विद्यालय की प्राचार्या सुश्री अर्चना सिंह पयाक ने दोनों विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का निरंतर प्रयास है कि विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मकता और समस्या-समाधान की क्षमता विकसित हो। विद्यालय परिवार युवा मस्तिष्कों में वैज्ञानिक सोच,

सृजनात्मकता और निरंतर आगे बढ़ने की भावना विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जिस विद्यालय में विद्यार्थी थे, वहीं आज बन रहे मार्गदर्शक

इस उपलब्धि को डॉ. सुनील कुमार की प्रेरक यात्रा और भी खास बनाती है। वर्षों पहले डॉ. सुनील कुमार स्वयं जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकंटक के विद्यार्थी रहे हैं। विद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने दिल्ली जाकर उच्च शिक्षा हासिल की। उन्होंने बीटेक, एमटेक तथा नैनोविज्ञान एवं नैनोप्रौद्योगिकी में पीएचडी की और विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। इसके साथ ही उन्होंने अपना उद्यम भी स्थापित किया। उच्च शिक्षा और व्यावसायिक क्षेत्र में आगे बढ़ने के बाद डॉ. सुनील कुमार वापस अमरकंटक लौटे और उसी विद्यालय से जुड़कर नई पीढ़ी के विद्यार्थियों को अपने अनुभव एवं ज्ञान का लाभ देने लगे, जहां से कभी उनकी स्वयं की सफलता की यात्रा शुरू हुई थी। आज उन्हीं के मार्गदर्शन में उसी विद्यालय के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रहे हैं। यह महज दो विज्ञान परियोजनाओं के

राष्ट्रीय स्तर पर चयन की कहानी नहीं है, बल्कि एक ऐसी प्रेरक यात्रा है, जिसमें विद्यालय का एक पूर्व विद्यार्थी वापस लौटकर वर्तमान विद्यार्थियों के सपनों को उड़ान दे रहा है। डॉ. सुनील कुमार की यात्रा विद्यार्थियों के लिए स्वयं में एक प्रेरणा है विद्यालय की कक्षा से निकलकर उच्च शिक्षा हासिल करना, विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में पहचान बनाना और फिर उसी विद्यालय में लौटकर अगली पीढ़ी को सफलता की राह दिखाना। राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित प्रयाग सेन और अरमान नापित अब अपने-अपने नवाचारों का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय परिवार को विश्वास है कि दोनों विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और भविष्य में अपने वैज्ञानिक समाधानों को वास्तविक जीवन में उपयोगी बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ेंगे। सच्ची उपलब्धि केवल स्वयं सफल होने में नहीं, बल्कि अगली पीढ़ी को सफलता की राह दिखाने में है। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में डॉ. सुनील कुमार और विद्यार्थियों की यह प्रेरक यात्रा इसी भावना को साकार करती दिखाई दे रही है।

